Dept. of Philosophy, DSPMU, Ranchi

Sample questions for B.A (Honours)End Semester 1 Examination 2021
Paper- CC-01 (101) Indian Philosophy

15x2=30

Objective type questions :

1. Select the correct option of the following.

सही विकल्प का चयन करें.

1. The word Philosophy is originated-

दर्शन शब्द व्युत्पन्न है-

I. From kr verb कृ धातु से
II. From gum verb गम् धातु से
III. From drish verb दृश धातु से
IV. None of these इनमे कोई नहीं

2."Drishyte anen eti darshanam " is the definition of……-

"दृश्यते अनेन इति दर्शनम्".....की परिभाषा है –

I. Economics अर्थशास्त्र
II. Philosophy दर्शनशास्त्र
III. Logic तर्कशास्त्र

IV. None of these इनमे कोई नहीं

3. Indian philosophy is not -

भारतीय दर्शन नहीं है –

I. Pessimistic निराशावादी
II. Spiritualistic अध्यात्मवादी
V. Naturalistic प्रकृतिवादी
VI. None of these इनमे कोई नहीं

4. 'Rta ' is –

ऋत है-

I. moral law नैतिक नियम
II. religious lawधार्मिक नियम
III. political law राजनीतिक नियम
IV. none of theseइनमे कोई नहीं

5. There are two sects of Indian philosophy-

भारतीय दर्शन के दो संप्रदाय हैं –

I. Natural and a-natural प्राकृतिक और अप्राकृतिक
II. Materialist and spiritualist भौतिकवादी और अध्यात्मवादी
III. Orthodox and heterodox आस्तिक और नास्तिक
IV. None of these इनमें कोई नहीं

6. What is the fundamental cause of suffering according to Indian philosophy-

भारतीय दर्शन के अनुसार दुःख का मूल कारण है-

I. Ignorance अविद्या
II. Knowledge ज्ञान
III. Both दोनों
IV. None of these इनमें कोई नहीं

7. There are part of veda-

वेद के भाग हैं -

I. Five पांच
II. Three तीन
III. Four चार
IV. Two दो

8. Liberation is of two kinds-

मोक्ष दो प्रकार के हैं-

I. Life and death जीवन और मृत्यु
II. Nirvana and life निर्वाण और जीवन
III. Death and videh मृत्यु और विदेह
IV. Jivan mukti and videh mukti जीवनमुक्ति और विदेहमुक्ति

9. The founder of Buddhism is-

बौद्ध दर्शन के प्रवर्तक हैं-

I. गौतम बुद्ध Gautam Buddha
II. पतंजलि Patanjali
III. महावीर mahaveer

IV. शंकर shankar

10. The founder of Buddhism is-

जैन दर्शन के प्रवर्तक हैं-

I. महावीर Mahaveer
II. गौतम बुद्ध Gautam Buddha
III. ऋषभदेव Rishabhdev
IV. कणाद Kanad

11. Buddha has pointed noble truth-

बुद्ध ने आर्यसत्य बतलाया है-

I. One एक
II. two दो
III. three तीन
IV. four चार

l2. The first noble truth is-

पहला आर्यसत्य है -

I. suffering दुःख
II. bliss आनंद
III. happiness सुख
IV. None of these इनमें कोई नहीं

13. Nastik darshan in Indian philosophy-

भारतीय दर्शन में नास्तिक दर्शन हैं-

I. चार्वाक Charvaka
II. जैन Jaina
III. बौद्ध Bauddha
IV. उपर्युक्त सभी All of above

14. Fourth noble truth of Buddha is called-

बुद्ध का चतुर्थ आर्यसत्य कहलाता है-

I. pratitya samutpada प्रतीत्य समुत्पाद
II. causation कारणतावाद
III. Eightfold path अष्टांगिक मार्ग
IV. None of these इनमे कोई नहीं

15. The second noble truth of Buddha is-

बुद्ध का द्वितीय आर्यसत्य है -

I. cause of suffering दुःख का कारण
II. end of suffering दुःख का अंत
III. happiness सुख
IV. None of these इनमें कोई नहीं

16.Buddhism and Jainism are-

बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन -

Contemporary समकालीन

Modern आधुनिक

Successive अनुक्रमिक

none of these इनमे कोई नहीं

17. What is the fundamental cause of suffering according to Indian philosophy-

भारतीय दर्शन के अनुसार दुःख का मूल कारण है-

Ignorance अविद्या

Knowledge ज्ञान

Both दोनों

None of these इनमे कोई नहीं

18.The first teerthankar according to भारतीय दर्शन की मूल प्रकृति है -

Psychological मनोवैज्ञानिक

Spiritual आध्यात्मिक

Natural प्राकृतिक

None of these इनमें कोई नहीं

Jainism is-

19.The first teerthankar according to jaina philosophy is-

जैन दर्शन के अनुसार प्रथम तीर्थंकर है -

Buddha बुद्ध

Mahaveer महावीर

Rishabhadevaऋषभदेव

Parshvanathपार्श्वनाथ

20.Has established the theory of Dehatmavad-

देहात्मवाद की स्थापना .....ने की है -

Ramanuj रामानुज

Mahaveer महावीर

Charvaka चार्वाक

None of these इनमे कोई नहीं

21.पुरुषार्थ हैं –

चार

दो

तीन

इनमे कोई नहीं

22. भारतीय दर्शन है –

I. अव्यवहारिक
II. व्यावहारिक
III. परिकल्पनात्मक
IV. इनमे कोई नहीं

23." खाओ ,पीओ ,मौज करो ..." किस दर्शन की उक्ति है –

"eat ,drink and be merry…."is the saying of-

Buddhism बौद्ध दर्शन

Jaina जैन दर्शन

Charvaka चार्वाक दर्शन

One of these इनमें कोई नहीं

24.भारतीय दर्शन में तीन प्रकार के कर्म माने गए हैं-

अकर्म ,विकर्म और कर्म

काम्य ,निषिद्ध और प्रायश्चित

प्रारब्ध ,संचित और क्रियमाण

25. The founder of Nyaya philosophy is –

न्याय दर्शन के प्रवर्तक हैं –

Jaimini जैमिनी

Kanad कणाद

Charvaka चार्वाक

Gautam गौतम

26.The meaning of advaita is-

अद्वैत का अर्थ है -

Not one एक नहीं

Not three तीन नहीं

Not two दो नहीं

None of these इनमें कोई नहीं

27.'Rta ' is –

ऋत है-

moral law नैतिक नियम

religious lawधार्मिक नियम

political law राजनीतिक नियम

none of theseइनमे कोई नहीं

28.The concept of rath rupak is propounded in –

रथ रूपक की अवधारणा प्रतिपादित है-

Upanishads उपनिषद् में

Jainism जैन धर्म में

Gita गीता में

buddhism बौद्ध धर्म में

29.the word vedanta stands for-

वेदांत शब्द से तात्पर्य है-

Veda वेद

Upanishads उपनिषद्

Both दोनों

None of these इनमे कोई नहीं

30.Which part of vedic literature is called vedant-

वेद का कौन सा हिस्सा वेदांत कहलाता है-

First पहला

Last अंतिम

Middle मध्य

The whole सम्पुर्ण

Short and long answer type questions :

5x4=20

15x2=30

- Is Indian philosophy pessimistic? Discuss.
- क्या भारतीय दर्शन निराशावादी है ? विवेचना करें.
- Discuss the concept of Atma according to Upanishads.
- उपनिषद् के आत्मा सम्बन्धी विचार की विवेचना करें.
- Discuss Polytheism, Henotheism, and monotheism as expounded in the Vedas.
- वेदों में प्रस्थापित अनेकेश्वरवाद , हीनोथिस्म तथा एकेश्वरवाद का विवेचन करें.
- Explain the Buddhistic doctrine of momentariness.
- बौद्ध दर्शन के क्षणिकवाद के सिद्धांत की व्याख्या करें.
- Explain the theism of Vedas.

- वेदों के ईश्वरवाद की व्याख्या करें.
- Discuss Anekantavada according to jaina philosophy.
- जैन दर्शन के अनुसार अनेकान्तवाद की विवेचना करें.
- Discuss the second noble truth of Buddhism.
- बौद्ध दर्शन के द्वितीय आर्यसत्य की विवेचना करें.
- Discuss Jaina theory of bondage and liberation in brief.
- जैन दर्शन के बंधन एवं मोक्ष सबंधी सिद्धांत की संक्षेप में व्याख्या करें.
- Discuss the fundamental characteristics of Indian philosophy.
- भारतीय दर्शन के मौलिक विशेषताओं की विवेचना करें.
- Explain and examine charvaka's materialistic Hedonism.
- चार्वाक के जड़वादी सुखवाद का आलोचनात्मक विवरण दें.
- Explain the fourth noble truth or ashtangik marg of Buddhism.
- बौद्ध दर्शन के चतुर्थ आर्यसत्य अथवा अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या करें.
- Describe the' syadvada' theory of Jain philosophy.
- जैन दर्शन के स्यादवाद सिद्धांत की व्याख्या करें.

Dr.Abha Jha.

Dept. of Philosophy

DSPMU

…………………………………………………..